an>

Title: Need to provide basic facilities at Block D Vasant Kunj, New Delhi identified for resettlement of residents of Nangal Dewat.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। दिल्ली के अंदर नांगल देवत गाँव में ढाई हजार परिवार रहते हैं। वर्ष 1972 में सेंट्रल गवर्नमेंट ने उस जमीन को एक्वायर करने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के नाम से एक नोटिफिकेशन जारी किया था। कॉमनवैल्थ गेम्स वर्ष 2010 में हुए थे। वर्ष 2007 में उस गाँव को उजाड़ कर वहां के लोगों को वसंत कुंज डी ब्लॉक में प्लॉट अलॉट कर दिए गए। मैंडम 10 साल पहले उनको प्लॉट तो अलॉट कर दिए गए, लेकिन बेसिक एमिनिटीज के तौर पर जब वह गाँव वहां पर बसाया गया, उनको प्लॉट दिए गए, उन्होंने मकान बनाए तो डी.डी.ए. ने सड़कें बना दीं। उसके बाद पानी की निकासी, सड़कों की मेंटीनेंस, रिपेयरिंग व अन्य काम 10 साल से वहां कुछ नहीं हुआ। वे लोग नारकीय जीवन झेल रहे हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया, जिसको उसकी डेफिशिएंसी पे करनी थी, वह पे नहीं कर रही है। मैं उनके सी.ई.ओ. से 29 मई को मिला हूं। उन्होंने मुझे 15 दिन का समय देकर कहा कि मैं इसको 15 दिन के अंदर सॉर्ट आउट करता हूं। हम मेंबर ऑफ पार्लियामेंट यहां पर जो प्रश्न उठाते हैं, आपसे निवेदन है कि आप हमारी रक्षा करें, क्योंकि आप ही हमारी कुछ सहायता व हमारे हितों की रक्षा कर सकती हैं। जो हम यहां पर बोलते हैं, वह रस्म अदायगी होकर रह जाता है। अगर आपके कार्यालय के माध्यम से कन्सर्न्ड मिनिस्टर की चिट्ठी आए और हमें बताया जाए क्या एक्शन लिया गया है। जीरो आवर में जितने भी प्रश्न हम उठाते हैं, उसमें यह नहीं होता है। मैं एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के सी.ई.ओ. से मिलने गया। मैं वह बात यहां नहीं कहना नहीं चाहता। अगर हम ऐसे प्रिविलेज मोशन के नोटिस भी देने लगे तो शायद यहां पर ढेर लग जाएगा। उनका एटीट्यूट क्या था और उन्होंने दो महीने तक कोई जवाब नहीं दिया है। डी.डी.ए., म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, फतलड डिपार्टमेंट व डी.एस.आई. एक दूसरे पर बात डाल रहे हैं। अभी दो महीने पहले वहां एक हरिजन की बच्ची ने सिविल सर्विसेज की परीक्षा देकर वह बेटी आई.ए.एस. बनी है। मैं उसको बधाई देने गया था। उसने कहा कि बिधूड़ी साहब आप हमारे गाँव का हाल देखिए, न आने के लिए ठीक सड़के हैं, न कम्यूनिटी सेंटर्स हैं, न ही कोई स्कूल है, कोई फैसेलिटीज़ नहीं हैं। मैं आपके माध्यम से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के कन्सर्न्ड मिनिस्टर को निवेदन करना चाहता हूं कि वह इसको सीरियसली लें और वो ढाई हजार लोग, जिन्होंने देश हित में कॉमनवैल्थ गेम्स के लिए इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के लिए अपना पैतृक गाँव छोड़ दिया, वह एक हजार साल पुराना गाँव था। उन्हें कम से कम बेसिक एमिनिटीज़ प्रोवाइड करायी जाएं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।